>

Title: Regarding delay in providing degrees to MBBS students by the management of college in Madhya Pradesh.

श्री प्रेमचन्द गुड्डू (उज्जैन): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में आरडी गार्डी में मेडिकल कॉलेज में हो रहे भ्रष्टाचार की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं। उक्त कॉलेज में सन् 2003-04 में एमबीबीएस के लगभग सौ छात्रों ने प्रवेश प्राप्त किया था। इन छात्रों का प्रवेश माननीय उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप से किया गया था। वर्ष 2009-10 में सभी छात्रों ने परीक्षाएं उत्तीर्ण कर लीं। लगभग डेढ़ वर्ष से भी ज्यादा समय हो गया है, लेकिन कॉलेज प्रबंधन ने अभी तक उन्हें डिग्रियां प्रदान नहीं की हैं। अब कॉलेज प्रबंधन छात्रों से डिग्रियों के बदले में 20-20 लाख रुपए की मांग कर रहे हैं, जब कि ज्यादातर छात्र गरीब तबके से आते हैं और इतनी भारी भरकम रकम देने में असमर्थ हैं। कॉलेज प्रबंधन को राज्य शासन के मंत्रियों का संरक्षण प्राप्त है, इसलिए बेधड़क कॉलेज में भ्रष्टाचार किया जा रहा है। डिग्रियां न मिलने से छात्र न तो उच्च शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं और न ही नौकरी प्राप्त कर सकते हैं।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहता हूं कि इनमें से 10-12 लड़के मुझ से आकर मिले थे। वे मुझ से विनती कर रहे थे, वे काफी गरीब परिवार से हैं। उन्होंने लोन, कर्ज आदि लेकर पढ़ाई की है और वे देने की स्थिति में नहीं हैं। इन छात्रों ने पांच वर्ष कठिन परिश्रम कर परीक्षा पास की है। कॉलेज प्रबंधन ने छात्रों के भविष्य को अंधकारमय कर रखा है। देश में पहले ही चिकित्सकों की कमी है। केन्द्र सरकार प्रतिवर्ष स्वास्थ्य, शिक्षा पर करोड़ों रुपए खर्च कर रही है। वहीं ऐसे कॉलेज गरीबों को आगे बढ़ने से रोक रहे हैं।

सभापति महोदय, मेरा आपके माध्यम से स्वास्थ्य मंत्री जी से निवेदन है कि अविलम्ब विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के गरीब छात्रों को तत्काल डिग्रियां प्रदान की जाएं और ऐसे भ्रष्ट कॉलेज की मान्यता समाप्त करके उनके खिलाफ कार्यवाही की जाए।

सभापति महोदय, आप भी शिक्षाविद हैं, आप इन गरीबों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते हैं कि जब विश्वविद्यालय परीक्षाएं ले रही हैं तो डिग्री भी इन्हें ही देनी चाहिए। इन गरीब बच्चों के लिए मैं आपका संरक्षण चाहूंगा कि आप इन्हें निर्देशित करें।